पाठ-क्रम

1. नया उजियारा 8
2. सिक्के का भभूत 13
3. जब मैं पढ़ता था 17
4. फूलों का नगर 22
5. खिड़की मेरे कमरे की 26
6. दो बैलों की कथा 30
7. सेहत है अनमोल 34
8. सम्मान की रक्षा 38
9. स्वाभाविक दान 43
10. और माटी निहाल हो गई 47
11. जन्मदिन के बहाने 51
12. आसमान में जैसे तारे 55
13. यात्रा जो पूरी न हो सकी 59
14. माँ का प्यार 63
15. बुलबुलों की गिनती 69

- कार्य-पत्र 73-76
- आदर्श प्रश्न-पत्र 1 और 2 77-82
- लेखक परिचय 83

Scanned with OKEN Scanner

1 नया उजियारा

कविता का नाम	नया उजियारा
कालांश संख्या	4-6
शिक्षण प्रक्रिया	Teacher Led
कविता का उद्देश्य	एकता, प्रेम, उत्साह, प्रसन्नता जैसे जीवन-मूल्यों का विकास करना, कविता का लययुक्त वाचन, कल्पना-शक्ति का विकास, संज्ञा का परिचय, समानार्थक शब्दों, 'र' और 'ऋ' के रूप तथा संज्ञा शब्दों की जानकारी, मिलकर कार्य करने, अनुच्छेद लिखने, साक्षात्कार लेने के लिए छात्रों को प्रेरित करना, बच्चों को किसी स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित करना।
कविता में आनेवाले विषय	संज्ञा, समानार्थक शब्द, 'र' और 'ऋ' के रूप, मिलकर किए गए कार्यों पर चर्चा, अनुच्छेद-लेखन और मिट्टी के बरतन बनाने वाले से साक्षात्कार लेना।
शिक्षण सामग्री	Smart Board, पाठ्यपुस्तक, Animation, i-book, Websupport (worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, फ्लैश कार्ड, चार्ट पेपर आदि।
मानक/अमानक शब्द	लाएँ/लायें, जलाएँ/जलायें, लहराएगी/लहरायेगी, महकाएगी/महकायेगी
आरंभ— **चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल-पठन, वाचन**	• छात्रों को पाठ-प्रवेश में दी गई पहेली की पंक्तियाँ पढ़कर सुनाएँ फिर छात्रों से उसका उत्तर जानें और बताएँ, छात्रों से प्रश्न पूछें कि वे अपने जीवन में उजियारा कैसे ला सकते हैं, 'उजियारा' शब्द का सही अर्थ जानें और बताएँ। स्वयं कविता को पढ़कर सुनाएँ और Smart Board पर खेतों में किसानों को खेत जोतते हुए, बीज बोते हुए और फसल काटते हुए दिखाएँ फिर बच्चों से पूछें कि यह किसका चित्र है, इस चित्र में क्या हो रहा है, कौन खेत जोत रहा है, किसान क्या काट रहा है आदि। • कविता का लय तथा हाव-भाव के साथ सस्वर वाचन करवाएँ। • कविता के श्रवण-वाचन के लिए Animation और i-book की सहायता लें। • कठिन शब्दों के अर्थ पूछें और बताएँ। • कविता को सरल अर्थों में समझाएँ।
मध्य **कौशल— लेखन, वाचन**	• 'माइंड मैप' द्वारा कविता की पुनरावृत्ति करवाएँ। • अभ्यास खंड में 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत कविता में आए कठिन शब्दों का उच्चारण करवाएँ। • 'बताइए' और 'सोचिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्नों पर चर्चा करें और जानें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1 और 2 तथा 'समझिए व्याकरण संबोध' के अंतर्गत आए प्रश्नों का हल पुस्तक में ही करवाएँ। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 2 का हल लिखित रूप से कॉपी में करवाएँ और 'विषय संवर्धन गतिविधियाँ' के अंतर्गत आई गतिविधि 1 को मौखिक रूप से करवाएँ, 2 का हल लिखित रूप से करवाएँ और गतिविधि 3 को मौखिक और लिखित दोनों रूपों से करवाएँ। • बच्चों को दो समूहों में बाँटकर 'क्या होता यदि' के अंतर्गत दिए गए बिंदु पर सामूहिक चर्चा करवाकर उनके विचार प्रस्तुत करवाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए**

उ. दिए गए शब्द बच्चों से पढ़वाएँ।

2. **बताइए**

क. किसे माता कहा गया है?

उ. धरती को माता कहा गया है।

ख. चरणामृत क्या है?

उ. चरणामृत यानी नदियों का शीतल स्वच्छ जल, जिसे अमृत कहा गया है।

ग. धरती का चरणामृत किसे मिलेगा?

उ. धरती का चरणामृत उसे मिलेगा जो विनम्र है।

घ. कविता का भाव बताइए।

उ. कविता का भाव यह है कि हमें सबके साथ मिल-जुलकर प्रेम के साथ रहना चाहिए और परिश्रम तथा विनम्रता से खुशहाली लानी चाहिए।

3. **सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न**

क. धरती को माता कहना कहाँ तक उचित है?

उ. धरती को माता कहना संपूर्ण रूप से उचित है। माता का अर्थ है— जो हमारा पालन-पोषण करे, जिनके संरक्षण में हमारा (मानव का) संपूर्ण विकास हो। और यह कार्य धरती माता बखूबी करती हैं। धरती माता जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधनों, जैसे— पानी, हवा, मिट्टी, अन्न, फल, सब्ज़ियाँ, औषधियाँ आदि देती हैं। जिससे हमारा शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास होता है।

ख. क्या नत होकर सबकुछ पाया जा सकता है?

उ. नत होना अर्थात विनम्र होना है। विनम्रता एक बहुत महत्वपूर्ण गुण है, जो व्यक्ति को समाज में स्थान दिलाता है। विनम्र लोग दूसरों के बीच सम्मान पाते हैं और उनसे मदद भी प्राप्त करते हैं। हालाँकि, सब कुछ यानी शिक्षा, संपत्ति, सुख-संसाधन की वस्तु आदि विनम्रता से प्राप्त नहीं हो सकता है। इसके लिए परिश्रम और संसाधन की आवश्यकता होती है। अत: विनम्रता से बहुत कुछ प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन यह जीवन की सभी चीजों का समाधान नहीं है।

लिखिए

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

क. कैसा उजियारा लाने के लिए कहा जा रहा है?	✓ नया
ख. कौन अपना कण-कण महकाएगी?	✓ धरती
ग. प्राणी क्या उगलेगा?	✓ सोना
घ. क्या मिलकर जलाने के लिए कहा जा रहा है?	✓ दीप

Scanned with OKEN Scanner

2. **कुछ शब्दों में उत्तर दीजिए—**

क. कवि कैसा दीप जलाने के लिए कह रहा है?

उ. कवि प्रेम-सुधा के दीप जलाने के लिए कह रहा है।

ख. अमृत किसे मिलता है?

उ. अमृत उसे मिलता है जो विनम्र है।

ग. किसे छूकर दमकाने के लिए कहा जा रहा है?

उ. धरती के कण-कण को छूकर दमकाने के लिए कहा जा रहा है।

3. **कुछ वाक्यों में उत्तर दीजिए—**

क. प्रेम-सुधा का दीप जलाने से क्या होगा?

उ. प्रेम-सुधा का दीप जलाने से अर्थात मिलजुलकर रहने से है। मिलजुलकर कार्य करने पर कार्य आसानी से और सफलतापूर्वक होगा जो हमारे विकास में सहायक होगा।

ख. 'वसुधा आँचल लहराएगी' का क्या अर्थ है?

उ. 'वसुधा आँचल लहराएगी' का अर्थ है धरती पर खुशहाली होना यानी धरती धन-धान्य, प्रेम और सौहार्द से परिपूर्ण होगी।

ग. प्राणी धरती को धानी कैसे करेगा?

उ. प्राणी परिश्रम से फ़सलें उगाकर धरती को धानी यानी समृद्ध बना देगा।

घ. धानी धरती को माता और जीवनदाता क्यों कहा गया है?

उ. धानी धरती अर्थात लहलहाती फ़सलों वाली धरती। जब धरती पर फ़सलें लहलहाएँगी तभी हमें खाने के लिए अन्न, फल और सब्ज़ियाँ मिलेंगी। भोजन से हमें पोषण और जीवन मिलता है और हमारे लिए भोजन का प्रबंध हमारी माता करती हैं, इसलिए धरती को माता और जीवनदाता कहा गया है।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **इन शब्दों के समानार्थक लिखिए—**

प्रेम — प्यार	सोना — कनक/स्वर्ण	दीप — दीया
मस्तक — माथा	वसुधा — धरती	आशीष — आशीर्वाद

2. **इनके दो-दो शब्द पाठ से चुनकर लिखिए—**

र् — हर्षित गर्वित

ृ — चरणामृत अमृत

्र — प्रेम प्राणी

3. **प्रत्येक पंक्ति से संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए—**

नया	वसुधा	होगा	अपना	— ...वसुधा...
आँचल	लहराएगी	सबकी	आओ	— ...आँचल...
इसका	छूकर	अमृत	धानी	— ...अमृत...
मिले	उसे	मस्तक	नत	— ...मस्तक...

Scanned with OKEN Scanner

2 सिक्के का भभूत

पाठ का नाम	सिक्के का भभूत
कालांश संख्या	6-8
शिक्षण प्रक्रिया	Teacher Led
पाठ का उद्देश्य	समझ, सूझबूझ, जानकारी जैसे मूल्यों का विकास करना, ठगी से बचना, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन, संज्ञा-भेद, मुहावरों, विलोम, वचन, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द की जानकारी, स्व-अभिव्यक्ति, रचनात्मक कार्य और कहानी लेखन के लिए प्रेरित करना, बच्चों में तर्क-वितर्क करने की योग्यता और वैज्ञानिक सोच विकसित करना।
पाठ में आनेवाले विषय	संज्ञा-भेद, मुहावरों, विलोम, वचन, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अभिव्यक्ति, कहानी-लेखन, सूची निर्माण।
शिक्षण सामग्री	Smart Board, पाठ्यपुस्तक, Animation, i-book, Websupport (worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, फ्लैश कार्ड, चार्ट पेपर आदि।
मानक/अमानक शब्द	गई/गयी, छोड़िए/छोड़िये, कहिए/कहिये, मुट्ठी/मुट्ठी, मिट्ठू/मिट्ठू, विद्या/विद्या, सिट्टी-पिट्टी/सिट्टी-पिट्टी, हड्डी/हड्डी
आरंभ— **चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल-पठन, वाचन**	• छात्रों को पाठ-प्रवेश में दिए गए चित्र को दिखाएँ फिर छात्रों से उस पर आधारित प्रश्न पूछें कि यह किसका चित्र है, इसमें कौन-कौन से जानवर आपको दिखाई दे रहे हैं, क्या आपने लोमड़ी पर आधारित कोई अन्य कहानी सुनी है, उसे कक्षा में सुनाने के लिए कहें। बच्चों से पूछिए कि क्या आपको पता है कि लोमड़ी कैसी होती है आदि। स्वयं पाठ को पढ़कर सुनाएँ और Smart Board पर भी दिखाएँ। • पाठ का सस्वर वाचन करें और करवाएँ। • पाठ के श्रवण-वाचन के लिए Animation और i-book की सहायता लें। • कठिन शब्दों के अर्थ पूछें और बताएँ। • पाठ को सरल अर्थों में समझाएँ।
मध्य **कौशल— लेखन, वाचन**	• 'माइंड मैप' द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • अभ्यास खंड में 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत पाठ में आए कठिन शब्दों का उच्चारण करवाएँ। • 'बताइए' और 'सोचिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्नों पर चर्चा करें और जानें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1, 2 और 3 तथा 'समझिए व्याकरण संबोध' के अंतर्गत आए प्रश्नों का हल पुस्तक में ही करवाएँ। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 4 का हल लिखित रूप से कॉपी में करवाएँ और 'विषय संवर्धन गतिविधियाँ' के अंतर्गत आई गतिविधि 1 को मौखिक रूप से करवाएँ, 2 का हल मौखिक और लिखित दोनों रूप से करवाएँ और गतिविधि 3 को लिखित रूप से करवाएँ। • बच्चों को दो समूहों में बाँटकर 'क्या होता यदि' के अंतर्गत दिए गए बिंदु पर सामूहिक चर्चा करवाकर उनके विचार प्रस्तुत करवाएँ।
अंत **कौशल— लेखन, वाचन**	Websupport से Worksheet लें और बच्चों से हल करवाएँ। Worksheet की अदला-बदली करवाकर बच्चों से सहपाठियों की Worksheet जँचवाएँ अथवा उन्हें स्वमूल्यांकन करने दें, फिर आप जाँचें।
शिक्षण संप्राप्तियाँ	बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित होगी, सूझ-बूझ, समझदारी और हिम्मत से अपनी बात कह पाएँगे, शुद्ध उच्चारण करेंगे, पात्रों के बारे में बातचीत करेंगे, अपनी राय दे सकेंगे, वाक्यों में मुहावरों का प्रयोग कर सकेंगे।

Scanned with OKEN Scanner

में फंस गया और अपनी गलती मानते हुए सिक्के से भभूत निकालने के तरीके ...
लोमड़ ने न ठगने का प्रण लिया।

बोध

- **लोमड़ की कौन-सी बात को सुनकर सभी हँसने लगे?**

उ. लोमड़ की यह बात कि सिक्के से भभूत निकालकर लगाने पर मँहगाई से छुटकारा मिल जाएगी, सुनकर सभी हँसने लगे।

- **कल्लू लोमड़ ने पूसी से कितने रुपये की शर्त लगाई?**

उ. कल्लू लोमड़ ने पूसी से पाँच सौ रुपये की शर्त लगाई।

- **किसने कल्लू को ज़मीन पर पटक दिया?**

उ. हाथी दादा ने कल्लू को ज़मीन पर पटक दिया।

- **कौन-सा पदार्थ राख की तरह दिखता है?**

उ. एल्युमिनियम ऑक्साइड राख की तरह दिखता है।

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए**

उ. दिए गए शब्द बच्चों से पढ़वाएँ।

2. **बताइए**

क. सभी पशु-पक्षी कहाँ रहते थे?	उ. सभी पशु-पक्षी चंपकवन में रहते थे।
ख. किसकी ठगी बढ़ती जा रही थी?	उ. कल्लू लोमड़ की ठगी बढ़ती जा रही थी।
ग. कल्लू की चालाकी को कौन समझ गया था?	उ. कल्लू की चालाकी को मिट्ठू तोता समझ गया था।
घ. शर्त किसके बीच लगी और कितने की?	उ. पूसी बिल्ली और कल्लू लोमड़ के बीच पाँच सौ रुपयों की शर्त लगी।

3. **सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न**

✧ क्या भभूत, प्रसाद, प्रार्थना आदि से समस्याओं का समाधान हो सकता है?

उ. भभूत, प्रसाद, प्रार्थना, और अन्य धार्मिक या आध्यात्मिक क्रियाएँ सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए की जाती हैं। इनसे किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। किसी भी समस्या का वास्तविक समाधान उसके लिए किए गए उचित प्रयासों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, यदि परीक्षा में सफल होना है तो पढ़ाई करनी पड़ेगी। फ़सल प्राप्त करना है तो फ़सल उगाना ही पड़ेगा आदि।

Scanned with OKEN Scanner

लिखिए

1. **किसने, किससे कहा—**

	किसने कहा	किससे कहा
क. महँगाई बहुत बढ़ गई है।	पूसी बिल्ली ने	अन्य जानवर से
ख. आज की बचत, कल की सुरक्षा।	हाथी दादा ने	अन्य जानवर से
ग. लगी पाँच सौ रुपये की शर्त!	कल्लू लोमड़ ने	पूसी बिल्ली से
घ. सब तुम्हारी चालाकी को नहीं जानते हैं न।	मिट्ठू तोता ने	कल्लू लोमड़ से

2. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

क. बिल्ली का क्या नाम था? ✓ पूसी

ख. कल्लू के पास कितने के सिक्के थे? ✓ 20 पैसे के

ग. किस धातु के सिक्के से कल्लू ने राख निकाली? ✓ एल्युमिनियम से

3. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. चौपाल में किस बात पर चर्चा हो रही है?

उ. चौपाल में महँगाई पर चर्चा हो रही थी।

ख. सभी पशु-पक्षी क्या ध्यान से देखने लगे?

उ. सभी पशु-पक्षी कल्लू लोमड़ को सिक्के से भभूत निकालते हुए ध्यान से देखने लगे।

ग. हाथी दादा ने गुस्से में कल्लू से क्या कहा?

उ. हाथी दादा ने गुस्से में कल्लू से सिक्के से भभूत निकालने का तरीका सच-सच बताने के लिए कहा।

4. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. क्या सुनकर कल्लू को ठगी सूझी?

उ. पूसी द्वारा महँगाई से बचने का उपाय पूछने और हाथी दादा द्वारा खर्चा कम करके पाई-पाई बचने का उपाय बताने पर कल्लू को ठगी सूझी।

ख. कल्लू लोमड़ ने सिक्के से भभूत कैसे निकाला?

उ. कल्लू लोमड़ ने जेब से बीस पैसे का सिक्का निकाला और उसे मुट्ठी में कसकर दबा लिया फिर आँखें बंद करके अँगूठे और अँगुलियों से सिक्के को रगड़ने लगा। इस तरह कल्लू लोमड़ ने सिक्के से भभूत निकाला।

ग. क्या सुनकर कल्लू की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई?

उ. जब मिट्ठू तोते ने कल्लू को अपना पाँच रुपये का सिक्का देकर उसमें से भभूत निकालकर दिखने के लिए कहा और यह भी कहा कि यदि वह राख निकाल पाया तो मिट्ठू तोता उसे पाँच सौ रुपये देगा और यदि वह राख न निकाल पाया तो वह उन सबके पैसे लौटाएगा, जिनको आज तक उसने ठगा है। यह सुनकर कल्लू की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई।

घ. कल्लू को किसने और क्या चेतावनी दी?

उ. जंगल के राजा शेर ने कल्लू को चेतावनी दी कि यदि उसने आज के बाद किसी को ठगा तो उसे जंगल से निकाल दिया जाएगा।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **विलोम लिखिए—**

आसान × मुश्किल	सुरक्षा × असुरक्षा	ज़मीन × आसमान
चालाकी × बेवकूफ़ी	मूर्खता × बुद्धिमानी	गरम × ठंडा

Scanned with OKEN Scanner

2. **रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—**

क. कितनी **सरकार** आई-गई पर महँगाई से छुटकारा नहीं दिला पाई।

उ. कितनी **सरकारें** आईं-गईं पर महँगाई से छुटकारा नहीं दिला पाईं।

ख. कल्लू ने जेब से बीस पैसे का **सिक्का** निकाला।

उ. कल्लू ने जेब से बीस पैसे के **सिक्के** निकाले।

ग. मेरी बंद **मुट्ठी** हवा के न मिलने से गरम हो गई।

उ. मेरी बंद **मुट्ठियाँ** हवा के न मिलने से गरम हो गईं।

घ. कल्लू ने अपनी **नज़र** झुका ली।

उ. कल्लू ने अपनी **नज़रें** झुका लीं।

3. **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए—**

विज्ञान जानने वाला = वैज्ञानिक

वन का राजा = वनराज

जो लोगों को ठगता हो = ठग

दूसरों की मदद करने वाला = मददगार

4. **दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए—**

चंपकवन, जंगल, पूसी, ठगी, पैसे, महँगाई, मिट्ठू, भोलेपन, पशु

व्यक्तिवाचक संज्ञा	— चंपकवन	पूसी	मिट्ठू
जातिवाचक संज्ञा	— जंगल	पैसे	पशु
भाववाचक संज्ञा	— ठगी	महँगाई	भोलेपन

5. **दिए गए मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाइए—**

स्वर्ग पाना — अत्यधिक प्रसन्न होना

हक्का-बक्का होना — आश्चर्यचकित होना

आँख लगना — नींद आना

दिल काँप उठना — डर जाना

कीजिए विषय संवर्धन गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. तोते की जैसी विशेषताओं नेने हमें प्रभावित किया—

तोते की समझदारी और सूझ-बूझ

तोते की निडरता

तोते की बुद्धिमानी और विज्ञान को सीखने की समझ

क्या होता यदि...

(Critical Think

✧ यदि तोते ने लोमड़ी की पोल ना खोली होती तो सभी जानवर उसकी बातों में आ जाते और लोमड़ी इस बार भी सभी जा को ठगने में कामयाब हो जाती। फिर पूसी बिल्ली को पाँच सौ रुपये लोमड़ी को देने पड़ते।

Scanned with OKEN Scanner